



कागमोरजा आदिदिना ७

ग्यलिङ्किर्न, यसाक्षनवयिव, ग्यलिङ्किर्न, वगनसनिव, हननिवनदयू, हननिवनमदयू, थर्थ
ग्यनृदि, श्रीक्षान्वन, कायलय, सनन ७ ॥ ग्यनिनाडि यलिङ्का ॥ ॥ यथनि यनन
नह्नाय ॥ ० ॥ वागजात्रदतहाव, कुरुयू, अपवग, नवका, कर्णू, थका, गनिव, कदमदयू, ह
किजात्र, बाहाकात्रवयू, स, आनयू, नरुकायू, माठमायू, नगत्रमकिङ्क, स, त्याक, स्रथूमसा
क, त्यानूरायू, सिद्धयू, वाधमाकदयू, बाहाकात्रवयू, वागजात्रम, थनरुयू ॥ ॥ यिरुजात्र
दतहाव, कननीकुवग, कुरुकलानवग, कुरु, गिलिदिनवयू, वाकिलिदयू, कर्णू, थका, स्रथू
सिस, ककुवयू, रलतिहायू, माधवयू, स्रथू, पालयू, नगत्रमकिङ्क, हयू, थनकाववउथद

जिज्ञासाया आदि १०

व्यासवायु विष्णु मरु मिश्रानां नृणां यि र्जान सध्वगशयू ॥ १ ॥ एषा वन दन दान वः
 मूधूनं क्रासनं मिश्रानं लान कि र्जवि हयू व्या कयदिन दानाथ हन सम धन्य कूथू वा
 कय मरु विष्णु नायूय हाकि कान वयू नय मययू म मरु स र्वा हयू धन्य स पन वयू वि
 मरु क ठि दयू कूठ म दयू क्रास ह ठि ठि मि ह नू विमदा भासा क वयू मिश्रानां व निव
 ह नू वा कान स ध्वगशयू ॥ २ ॥ व्यासवायू नू ग ठ म कि ह हू क हययू कूठ म दा भा उ स्या
 क दयू क नू थका मूधू ग निव वा किल वयू विमर्क क ठि वा हान जायू नू विमदा मिश्रानां
 वयू मू धिष्ठा थ स्यायू वा हान काल वयू वात यि र्जान स ध्वगशयू स ह न ॥ ३ ॥ मूठ

नं, क्रासनं, मिरवानं, लाठ, क्रि, खविहायू, पृथिष्ठाथसायू, क्रुठयू, क्राष्ठातयू, माउस्य
क, क्रासहडीहडिमिठ, माग्धकवयू, वननिहयू, कलमधम, वगनवयू, वाने, एस्मअ
सस, थगशयू, सहन॥ ८ ॥ मूथस, खादून, जलाथ, खांयू, जालाहान, खानिव, मगन
तहयू, माग्धकवयू, त्रिमिदा, यामसायू, उतुनं, हससधायू, उतुनं, विहिंविहिं-दनिन
यिह, एस्मअ, जालस, थगशयू, सहन॥ ९ ॥ माउसनकययू, यामसायू, क्रुठमदा, नूगवस्या
क, वलटिमहाव, मय, विष्ठा, गानली, विरायधाल, खनदयू, जूनि, माग्धकवयू, हडिहडिमि
ठ, वरुम, झाहस, याक, याकक, खनदयू, जवरासमूनिवयू, मूथस, क्रासयागस, कर्कद

यू यथामुपयु, दा वम, तानवि वाक्ययू, सन्निधानजालस, थमजयू सहन॥ १ ॥ वृत्ति

गीकतुनिदानवसिका॥ ॥ म, लाहाधनसालकासं, कायूयू, नयनयययू, वागाधि

कया, विरुसहन॥ हहनधाव, नयू, यिरुधिकया, विरुसहन॥ गायू, यियाजामं, नतह

यू, लष्याधिकया, विरुसहन॥ ॥ म, लाकयू, मुषुठियू, हाताहानादयू, सन्निध

नया, विरुसहन॥ ददया, थवथवे, नकननं, नगा नगा, नाययू, सयानिव, निमिगय

नकनसहन॥ अलिषू, स, कमाया, विरु, यकनमदयू, अलिषू, सहन॥ २ ॥ वृत्ति

जि क्कायविका॥ ॥ वाग्या, वा, नायू, यिरुया, वा, क्कादू, लष्या, वा, यियानज

यू॥ द्दिया वा नायकासं नगानका वर्तयू॥ ॥ **॥ अति मृगय विज्ञा ॥** ॥ काथदा
य विधि, चा भलान कुमलाशयकं लख दायक वासन, कुठानसि वृत्ताने काय
नस थसं रवा कलहा व नानेक काथ दाय विधि धर्म ॥ **॥ वागजात विमिता ॥** ॥
त्येका काला ० कालेस मृग एन धुधि धर्म समराग काथ दासं गानकं वागजात नासा
१ ॥ **॥** गालय की दाक ० किलि एव वाव युन मंस ० समराग काथ दासं गानकं व
नजात नासा ॥ २ ॥ **॥** उउउ कर्ष २ उउ ० मंस ० दिग रुव कय १ थनि दासं गानकं व
नजात नासा ॥ ३ ॥ **॥** उउ ० दव दाव सुदान ग ० क ० किलि धर्म समराग दाव

व नानक दास जान नास ॥ ३ ॥ लाउ या न इला न म् उ व गु गु ठि म् व थ न स म रा
ग दा स नानक दास जान नास ॥ ४ ॥ ॐ नि वा न क न वि कि ल्सा ॥ ० ॥ इ ना ल म् रु ख क न र व
दा म् रु स म रा ग दा स नानक वि रु द न नास ॥ १ ॥ इ इ क ल म् का थ य ल उ रु ल हा म् रु
हिया की व न क र व न गु री ख न्नु ॐ वि मि ठि मं २ थ न दा स नानक वि रु द न नास ॥
२ ॥ इ ना ल म् रु ख क न यी यं गु र वा दा आ द म् क ट क मं ३ थ न न र व न आ स नानक
वि रु द न नास ॥ ३ ॥ आ र व न उ रु ल वं ड न रा व न वी य ल र व मि दि स या ट क इ ना ल म् रु
न य क म न गु क म्या न ल वं ला व थ न स म रा ग व र्क क सी न वा ल न क वि रु द न नास ॥

॥ १ ॥ निरुद्धा ह्यत्रवन विविधि प्रियमु, धनसमताग, दुर्लभमत्रवन वावनकं, काल
यन्त्रं विरुद्धावननाग ॥ २ ॥ निरुद्धावन विविधता ॥ ३ ॥ ककटागृग विविधि
वैष्णवावन, अनिचम, सलागवृक्ष कविन वावनकं, हृष्यकवननाग ॥ ४ ॥ वृक्षलाम
ल, ककटागृग, मुद्रमु विविधि, धनसमताग, मसि, सुवेदन नसगाद, हृष्यकवन
नाग ॥ ५ ॥ निरुद्धा विविधि ककटागृग, सलागवृक्ष, कविन वावनकं, हृष्यकवन
वनास ॥ ६ ॥ विविधि, हनउ वृक्षलाम, कदवसिकव, सलागवृक्ष, कविन वावनः
क, हृष्यकवननास ॥ ७ ॥ निरुद्धा, यातक, मुद्रमु, नृपकगृग, सुवेदन वावन, सलागवृक्ष

कविनवाचनकं, एष्यद्वाननाम् ॥ १ ॥ शुद्धिर्मसं, मन्त्रमसं, एष्यद्वाननाम् ॥ २ ॥ विविदिर्मसं
थननकं, एष्यद्वाननाम्, काव्यशुद्धिमताम्, एष्यद्वाननाम् ॥ ३ ॥ ॥ इति एष्यद्वाननाम् विविदि
सा ॥ ० ॥ ॥ अथ वागविरुविदिनाम् ॥ ॥ उद्दत्तम्, एष्यद्वाननाम्, काव्यशुद्धिमताम्, एष्यद्वाननाम्, विविदि
तानमसं १ दासमाह, वागविरुविदिनाम् ॥ ॥ विदिता, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, विविदि, एष्यद्वाननाम्, विविदि
विदिता, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, कविनवाचनकं, वागविरुविदिनाम् ॥ ॥
॥ एष्यद्वाननाम्, विविदि, एष्यद्वाननाम्, मन्त्रमसं, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्
एष्यद्वाननाम् ॥ कविनवाचनकं, वागविरुविदिनाम् ॥ ॥ ॥ एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्, एष्यद्वाननाम्

सलग कविन वात्र नकं वातयिर्ल नाग॥ ७ ॥ वंस वात्र नमंस ७ नृपक मलमंस ७ इनाल
कुमंस ७ पाठकमंस ७ यिपिठिमंस ७ ममखन केव १ कलिन वात्र नकं वातयिर्ल नाग॥ ८

* ॥ नवहलाव शुक्रमान पाठक ग्रीकट् जितहात्र नृपकसत्र सलगवूर्ल कविन वात्र न
कं वातयिर्ल नाग॥ ९ ॥ गुला पाठक नवहलाव १ मिठिस ग्रीकट् इनालकु १ कनाया
यद ममखन कविन वात्र नकं मंस २ पाठयिर्ल नाग॥ १० ॥ वात्र कसलहा साहान ग्रीक
हं वृल्लिमिठि ठुठु गु आदम कनाया दाद ममखन कविन वात्र नकं वातयिर्ल नाग॥

११ ॥ तालीसमंस ३ वंस वात्र नमंस ३ नृपक मलमंस ३ जिलिमंस ३ नवहमंस ३ मत्रनमंस

स ३ यिपिडिर्मस ३ गुठिमस ३ लवदलारमस ३ कुकम्यालमस ३ याठकमस ३ धननवकि
ममखलवकि वातावनक वातपिरु नाग ॥ त्रिकन जूनिन ॥ २ ॥ आदम लवदलार
ममकम्याल इनालम कर्कटास पृष्णलामन मनन मरु कृतायादाद ममखननवासन
क वातपिरु नाग ॥ १० ॥ ग्रीख गु वात वंशगारन यिपिडि शुक्कम्याल लवदलार
नूवकमन याठक काथपल मूट्टे उडालल यिर्यगु लवद धननलग १ जिलिस
लान हवउ उरुल वरुनउ अवेन शवाकन हवठ धननलग १ मालिस जितलाल ध
ननलग १ ममखलनवकि वातनक वातपिरु नाग ॥ ११ ॥ अर्थवात (मृ) वाविकि :

मा॥ ० ॥ जिगद्वात्र शुक्लमात्र श्रीकटू कथितेन वात्र नर्क वात धृष्ट्य नाम॥ १ ॥ पुति
विपिठि १ श्रीहला १ कथितेन वात्र नर्क वात धृष्ट्य नाम॥ २ ॥ गालिस यक्ष सामस पुति
क कतास वंसनावन लवठत्वाव पाठक शुक्लमात्र कृत समलग कथितेन वात्र न
क वात धृष्ट्य नाम॥ ३ ॥ विपिठि विपिठि नामस सिपि नर्क कटा पुधि समलग कथितेन
वात्र नर्क वात धृष्ट्य नाम॥ ४ ॥ यक्ष सामस ०० दुजव तिकट लवठत्वाव वंसनावन
न शुक्लमात्र कथितेन वात्र नर्क वात धृष्ट्य नाम॥ ५ ॥ यथार्थ विपिठि विपिठि नाम॥ ० ॥
उदल कतास हा मरु इनालम् थानस लग काथ दासगाड विरु धृष्ट्य नाम॥ ६ ॥

मूर्ध्नि श्वकन वात्र उगलरु नकुवन्दन इति धर्मकाथ दासं भाद विरुष्टुष्यनाम
॥ ग्रीहलो लवठ शुक्रम्यात्र लवठत्वात् स्मरण कश्चिनवाहनकं विरुष्टुष्यना
॥ १ ॥ पियंगु लवठत्वात् शुक्रम्यात्र पादक मूषु विरुष्टुष्यनामिच्छि यच्छनाम
ल इनालरु स्मरण कश्चिनवाहनकं विरुष्टुष्यनाम ॥ २ ॥ लवठत्वात् शुक्रम्या
त्र पादक विरुष्टुष्यनाम ककटास कठवसकव यच्छनाम स्मरण कश्चिनवाहनकं वि
रुष्टुष्यनाम ॥ ३ ॥ इनालरु विरुष्टुष्यनाम ककटास मूषु पियंगु यच्छनाम लवठत्वा
त् शुक्रम्यात्र पादक स्मरण वरुष्टुष्यनाम कश्चिनवाहनकं विरुष्टुष्यनाम ॥ ४

॥ लवङ्गत्वम् गुरुकर्म्यान् पाठक गालीस कर्कटासु जिलि स्मरण कस्तिन वाचनकं विरुद्धम् न
॥ १ ॥ ॥ अथ ग्रीवाय विरुद्धम् ॥ यिष्यनादि प्रिकट् हुकजिलि इलासीसु क उवसकव
यूष्कनामसु कर्कटासु स्मरण कस्तिन वाचनकं सुत्रीयावना ॥ २ ॥ यूष्कनामसु इना
लम् पिपिठि कर्कटासु कस्तिन वाचनकं ग्रीवायना ॥ ३ ॥ वरुणसु ॥ ॥ पिपिठि
ववङ्गत्वम् वंसलोचन गुरुकर्म्यान् गम्यान् स्मरण यलकस्तिन वाचनकं विदायना ॥
॥ ३ ॥ वरुणसु ॥ ॥ क उवसकव कर्कटासु पाठक उपकर्माल गुरुकर्म्यान् लवङ्ग
मन्त्र पिपिठि इनालम् यूष्कनामसु हुकजिलि इमबल स्मरण कस्तिन वाचनकं ग्रीवा

स्वनाम॥ गंधर्वरायात्राग्निवाहनकर्म॥ ७ ॥ लवह शुकम्यात्र विपिडि विहसा स्म
राम कस्तिनवाहनकं विहायनाम॥ स्वयलवमदि॥ ८ ॥ लवह कर्कशा जगि काम य
दक नूपकमत्र यलकमल काथयल लवहत्वर शुकम्यात्र विहसु वात्र श्रुतु कन
या श्रुयदे ३० मारव कताया विदे श्वमवारने कस्तिनवाहनकं विहायनाम॥ मध्यम
लवहदि॥ ९ ॥ मिडिह पाठक वात्र स्वयने विपिडि कर्कदास नूपकमत्र शुकम्या
त्र यवकनामसु श्रुतियम इनालम् स्मराम कस्तिनवाहनकं सत्रीयाननाम॥ १० ॥ लव
ह कर्कशा प्रीयद्यु वमसारवम लवहत्वर शुकम्यात्र पाठक नूपकमल विहसु ३

हान् जिलि हकजिलि ॐ मूनि पलकमल अग्रुत् नगलाजह व्यास कदासं वाव कथ
व उग्रवहा जिनहाव हियनाज अग्रुत् कलिनवालनक प्रिदायनाग ॥ वृहत्सर्वम
दि ॥ ६ ॥ ॐ नि प्रिध सुविक्लिता ॥ ० ॥ अथ धावना निदान ॥ प्रिदाय दत्तावहिका मयि
नसं रत्नसहिका दृढयागल ग्रहः मूर्च्छितलाया उमदाहवमथ ४ वित्तय उल्लादन
सन्निवर्द्धनं ॥ ॥ श्रीदायनवव मासाक को मद्रुध २५ व्यास हिक्कवव नृगवस्य
क गल मयि उलय नृगवमकिठ नाधव ॐ हयुक् के केकि उल्लादन भावक
मीवर्द्धनयाक ॥ ॥ व्यासनास धडावदि नवसा एत हल माक वदसाक ह

विव. यान हा विनिधाय ॥ अति निवृत्त. उवाहू लहा व. धनाडी न. विवमास कि दे. विवस
 नीधाय ॥ १ ॥ अथ काल हान विधि उक्त ॥ गणिस ३ म द म धा स हयू दिन स विवृत्त
 दु. कर्णस. अथ नयी दत्रय. थधि ग्वसागि मृ. एरुशयू ॥ १ ॥ वातपि हया लागस वि
 रु. अथ या लागस. अथ न के. कर्णस पी द स य वान हा व. धसागि माय द लह ॥ २ ॥
 गणस. हकाल उवाहू. रुका न मिथ काक. मृ. द ह द ह धा स. काठ वान हा व. धसागि मृ
 एरुशयू ॥ ३ ॥ नृग दस. कागस. सा हा थ स. रुति स. उवाहू. मा. उरु क. काठ वान हा व. धस
 गि मृ. एरुशयू ॥ ४ ॥ वात वया व. कौत यं. उव नि हाया व. मृ. एरु स. गणस. वेह नय. नादि द

सर्गानि कूर्मः स्वादूयः अनायाह रवहाव, धसगि म्वाग कमजिला ॥ ८ ॥ लाहान मुनि नारि
स्वाकू मा उश का काक, धसगी म्वाय ॥ ९ ॥ अयूधुनि क्वव, यद माहम कुल, धय
गाय नमरुग हाव, अयूमायू ॥ १० ॥ अयूधुनि मय, म अयूधाय, कासया वा, यदध
य का गिरा, माहम गुन, धाय नगति ॥ ११ ॥ महाकूय, स्वाव कूक, मनजिक ध, क
दूय, ॐ दीदकाया, भजमदय, धसगि म्वाय, मकुमद ॥ १२ ॥ ॐ गिकावहान निर्व
य ॥ १३ ॥ अयूध नासाया रवन विजिला ॥ लवठ ग्रिहला गिकट, लमखाव, कक्कास, दय
कावहा, हलकूसम, ककुलि, कयूव, गीरवधु, वगवावन, स्वादा, उला, पुकम्याव, ल

बहुत्वर त्रयकेभ्यः पूर्वनामूल गालिस जिलि भाग्यवत् कसी नवावनक काग व्यास
धृष्टा कदि हिष्ठा मूला यमन विष्ठावत् सन्निधात दवाकृति मुष्ठा विक्र धन
यागनाम ॥ ह्मनिसवकादि ॥ २ ॥ अथयसा यव विकिसा ॥ गडि विष्ठा लामूल पूर्व
नामूल स्वगा मत्रव विविदि पुठि स्वगा मिडिम शुक्मयाव तव बहुत्वर स्वगा तवठ ककुति
जिन हाव स्वगा जिलि हकजिलि ह्मनिस स्वगा कय्यव जागिकाग रुद्र स्वगा रुद्र क
क्रम त्रयकेभ्यः एतत्तावन स्वगा ॥ धन सारग नक पुन रुग स्ववात समस्त सागसंनि
ठ ॥ ह्मनिसा यन ॥ २ ॥ अथमादकच ह्म ॥ अथमादमस ३ पुठ मुस ४ दमुकाव हा

मं३ पुन च नमं३ मूक म्या नमं३ लव रुत्या वमं३ विलि स मं३ जित हाल मं३ कृत मं३ विर्य नाम लम
स ३ यत्क नाम लमं३ नालि स मं३ लम वा नमं३ यम स न वा नमं३ रुद्र नी मं३ रुद्र जिति मं३ रुद्र
उमं३ वृह ल उ मं३ रुद्र व मं३ उजिलि मं३ उम व मं३ विवि ठि मं३ वृम नि मं३ रुद्रि मं३ स
रुद्र मं३ सिपि मं३ अयु २ ध नयु २ उा वृ न॥ रुद्र वा न विरु ॥ रुद्र नाम ॥ वृ नि रुद्र म
उक रुद्र ॥ ३ ॥ अथ ग म्भु य सा सि नि नै रं ॥ व क न कू १ सा इ इ कू २ सा ध कू १ वि
ग क रु मं३ विर्य नाम लम ॥ वृ ल मि ठि स धा वृ रु ॥ म्भु य म्भु क द न दाल क व ग म्भु
यु ठि द ग रु रु रु रु ग म्भु क य सा वि नि या रु न क व न ध न वा न या व क न वृ न ॥

नि. गन्धयुगालिनिर्देशः ॥ ७ ॥ कस्तुवि. जिह्वान्तर. उरुत्त. गुणमठस. अथय. कविद्या
 न. कलस्वला. सिमित्रस. गुल्याठ. जामादुगसयाहा. खानवा. गवा. कथ्युत्रमंस. उपवा.
 कनिस. हायाव. मानक. ॥ गुन. अगिस्ता. ननास. हिनजा. वया. अगि. उरुत्त. ॥ ७ ॥ कस्तुवि. ग
 न्ध. ॥ ८ ॥ गगि. मंस. उरुत्त. मंस. ७ ॥ मानि. मंत्र. विविदि. धालस्वला. अथय. ध
 न. वा. न. सुख. धवि. खान. गुल्याठ. गुठि. मठसाहन. युतिमंस. उपवा. कनिस. हास. मा. ठ
 पट. कय. हा. कदवे. ॥ ७ ॥ गि. जयादि. ७ ॥ ७ ॥ विविदि. कष. १. गुठि. कष. १. मंत्र. कष. १
 यला. मंत्र. मंस. ७ ॥ गिलि. मंस. ७ ॥ का. कलस्वस. हास. ता. द. ग. ई. वाय. न. ग. उ. ह. य. म. खा. य.

० सविस्तरं सद्यः समस्तं व्याधिनाम् ॥ १ ॥ **गुणिविधिसाधिकवर्णः** ॥ १ ॥ **सूत्रवृत्तव**
यिष्यतामूत्रकष १ विविधिकष १ गुरुपुरुषकष १ धनवर्णयादनकं तुमिकाया व्याधिना
म् ॥ **गुणिविधिसाधिकवर्णः** ॥ २ ॥ **कूटविज** कावेरवला वाहाउया वात्र लभउसाहनसू
नियमं पुठिधलित्वा न तुलाउ वात्र मूरु गुणमउसं युनिर्मसं यवाकनिसं हासं काकना
नकं ॥ गुनं हिनजावया वागयिर्हसं रुमनयानूया **अनिसात्र धननाम्** ॥ ३ ॥ **त्युति**
वटकहा रुवउ **गुमानि** वदवि सन्ध्या विष्यतामूल **जुजमाद** वासद्याउ **विकट** धनस
लग्नवर्ण काकसंयस हासनाह सात्रवागया साधयाहिग्व ॥ १० ॥ **ग्रिहला** विकट सन्ध्या

ॐ नमो
शिवाय

वदवि ॐ नमो गङ्गा धनं नमो सहा गनकं सुकमदसु रुससं शक्ति नमो हरि गे ॥ ११ ॥
गिकटु साहन ॐ नमो गङ्गा ॥ १२ ॥ नमो गङ्गा ॥ १३ ॥ नमो गङ्गा ॥ १४ ॥ नमो गङ्गा ॥ १५ ॥
नमो गङ्गा ॥ १६ ॥ नमो गङ्गा ॥ १७ ॥ नमो गङ्गा ॥ १८ ॥ नमो गङ्गा ॥ १९ ॥ नमो गङ्गा ॥ २० ॥
नमो गङ्गा ॥ २१ ॥ नमो गङ्गा ॥ २२ ॥ नमो गङ्गा ॥ २३ ॥ नमो गङ्गा ॥ २४ ॥ नमो गङ्गा ॥ २५ ॥
नमो गङ्गा ॥ २६ ॥ नमो गङ्गा ॥ २७ ॥ नमो गङ्गा ॥ २८ ॥ नमो गङ्गा ॥ २९ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३० ॥
नमो गङ्गा ॥ ३१ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३२ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३३ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३४ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३५ ॥
नमो गङ्गा ॥ ३६ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३७ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३८ ॥ नमो गङ्गा ॥ ३९ ॥ नमो गङ्गा ॥ ४० ॥

॥ इति नानादाखनविकित्ता ॥ ॥ अथ विकृतानविकित्ता ॥ शुक्लम्या वसं ३ यात कर्म ३ सुवहम
सहलवहत्ववसं ४ जितहाजसं ५ किलिमं ५ विविदिमं ३ रुकजिलिमं ५ कात्रवासकर्म ५
त्रयकमलसं ५ अश्वसं ३ २ थमरुत्तनक दिनयुति मसं २ विधुतुन आविकृताना ॥ १
॥ इति लयसहा अश्वमथिय के ० ह्यं कमासि शुभनवसं कृत्यातस घाहनसं र्वाथना ॥
२ ॥ सहदवहा नम्या ४ ० ह्यं कृत्या टस वस्यं र्वाथना ॥ ३ ॥ अश्वमथनी अश्व
त्र दवदात्र रुजउ कात्रवासक म् ० युतिमसं ५ कस्तिनवालनकं विकृताना ॥ ४ ॥ त्रय
कमल वासस इहसकुठ दायक यवासकी कालनकं शुभ काव मानक विकृताना ॥ ५ ॥

श्यामा न्नह, अनमधियक ० सं, कूमा लिसुग, मिलि स्वास वसने, दिन नुका नस वः
वृष्टि ना नरस, डा वरि कू ना म॥ ७ ॥ हनउ, बरुनउ, वासिंघा डी, स्म हा न वू र्क
कलिन बालन कं, विरू ना म॥ ८ ॥ गिरु ला, रू र्क या रु कलिन बालन कं, विरू ना म॥
९ ॥ पुक म्या न, लव रु, विपि डि हा म ४ थ द का या रा हा म का न वा सु क, थ ग ल र व स
दि सं, रु दि का द य कं, थ रु डि का म म कू वा य॥ १० ॥ उँ जा ४ उँ डी ४ हं वि न न हं उँ रु ट स्वा रु
॥ दिन पु मिं, थ रु दि का क ली न वी न लू य, विरू ना य या रु म रु व विरू ना म॥ ११ ॥ उँ वि म म
वी य र्क म प्र वि स वा य ड व ना स नि य रु हा ॥ थ म कू रु रु य ग रु स, कं कू म ट वा स, ग व स रु

रवायकं विक्रना ॥ १० ॥ धर्मं ह्यश्रुतं गच्छ ॥ तायका पुस्त्या उरुं कमाति सुयः
तु न मेदुक्ति दाहावे कायावे यदवर्तमानं धर्मं न याद लागिया मयलकं न मनयस
निकरू कायावे विक्रव न दास्यं वसं गय मं रवाम् माल विक्रना म् ॥ उ न व ह मरु का ० य स
धन न स्य रवा इ क या हि ग्व ॥ ११ ॥ मत्रव ग्व १ लाजिनि म् २ उल न नै म् रुठि वी ६ उल
न उ पि या ग या य विक्रना ॥ १२ ॥ गिरु ला कट क मिव कि रुव गु गठु मरु म्
ध्या म मरु ल म् लाग दि न यु नि म् स २ कलि न दा न न क् असा न व स हा स नै क न व विष्म ज
न ना ॥ १३ ॥ यावदुध न या क व रु न मत्रव ग्व ३ नं व स थु क रु स विक्रव व न स

क्रान्तस्य पद द्वयं विकृताम् ॥ १८ ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ १९ ॥ क
 त्वत्तुहा कायदम यादवस्य भाउस वसं न विकृताम् ॥ २० ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २१ ॥ क
 लनिर्म उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २२ ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २३ ॥ क
 नाम् ॥ २४ ॥ मित्रि स विविदि शूकम्या न वेग नोचत तिलि मूले लवठ लवठ उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २५ ॥ क
 सादमसस १ गमय नमं ३ कसी नवाल दिन पुनिमं १ नकं विकृताम् ॥ २६ ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २७ ॥ क
 व क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २८ ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ २९ ॥ क
 ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ ३० ॥ कर्कश उद्वेगयति क्रान्तस्य पद विकृताम् ॥ ३१ ॥ क

जिह्वि, ग्वर्धन व नर्क, विदूनाम ॥ २३ ॥ गुगुनि, हनउ, निम्ब, आय, यहा, उका, यनका, कठ
सहागन, धनन, बालाव, धूयकावर्क, विदूनाम ॥ २४ ॥ श्रीग्वर्धनमं ३ इनालममं ३ मिडि
समं ३ साखल, कुतानपिद, नगमं, बालनर्क, मायसाक, पिरुनवव, विदूनाम ॥ २५ ॥ धा
प्राउवति, तिरुता, नीम्ब, मिडिस्, मूरु, उला, जिलि, कदस, साहान, धनया, काद, मयवसन, बाल
नर्क, पिरुनवव, विदूनाम ॥ २६ ॥ काववासकमं ७ पिथलामूनमं ७ सिथमं ३ मयचम
ह ७ पिथिडिमं ७ गुठिमं ७ लवडमं ७ लवडलेचमं ७ हनउमं ३ जिलिमं ३ जिनहालमं ३
नूयकमूलमं ३ पाटकमं ३ एकम्याममं ३ चटकहमं ३ केमलहामं ३ जाकूठ १ सखकन २ ख

दिविदूयूलानेकवनाम् ॥ २१ ॥ श्रीरघुसाहनमूलम् ॥ छिन्नाश्रुदमस्तवदत्तस्य विवि
दिजितशालजित्तिथययादादम् ॥ अथलनसंवायनकं विरुनववसिदूनाम् ॥ २२ ॥
काववास्यविपिछिमवयस्तकम्यावस्तवदजितशालधननवकि काववासवकि जंयननसं
मंसं १ लनकं छुठिकायादकलिनवीत्रदिन्युतिं ॥ २३ ॥ नकं ॥ असाउदवालययश्रुतायरा
लशसंविदूलागनाम् ॥ २४ ॥ यात्राउवनिमं ३ कालवासकमं ३ हलउमं ३ यहनउमं ३
मयमं ३ मयमं ३ मिथिममं ३ यिर्यगुमं ३ निममं ३ अथनयादादम् ॥ अथलनसंवायनकं वि
दूनाम् ॥ ३० ॥ ययतावसंजितशालम् ॥ अथलनसंवायनकं विदूनाम् ॥ ३० ॥ ययतावसंजितशालम् ॥

॥ ३१ ॥ उमलहा वलसमहा जमलहा वासा धन नसं क्रसमादसयाह नायनावनाम
॥ ३२ ॥ पीयधु उमलहा यद्यकमास नयननसगाह इहय नायनाम ॥ ३३ ॥
नायकीन मारवल नयननसगाह इहय नायनाम ॥ ३४ ॥ मकम्यात्र लवठ कूटसा
हना दाम नयननसगाह कलन इहय नायनाम ॥ ३५ ॥ वेद्यालवात्र ज्यगन्ध
विहला उदगु वमिनयननसं क्रसमायत्रयं चिरु कल नायनाम ॥ ३६ ॥ अथ
त्रसा धननसं घलननत्रसासं इहय नायनाम ॥ ३७ ॥ अथ
कसयुगमहासक्त ॥ ३८ ॥ उमलहा वलसमहा जमलहा वासा धन नसं क्रसमादसयाह नायनावनाम

लाय॥ ३८ ॥ ॐ तिरिक् प्रागविकित्सा॥ ॥ ॐ धन प्रागविकित्सा॥ कलि, धनयाः
कव, ॐ तिरिक् मिठि, वाव, ॐ भाति, ॐ मय, रुसकन, धवी, मयन, यूवाकनिस, नम, कलि, क्काद, म
नकं, यत प्रागनाम॥ ॥ दवदात्र, कूट, मयय, हिगु, संधव, नमसरवात्र, धवितिस
हासं, नकं, यत स लयत्रयं, यत प्रागनाम॥ ॥ ॥ गुठि, सावाकव, किलि, हिगु, यिविधि
छुकम्यात्र, काकलंयस, हासं, ताद, यत प्रागनाम॥ ॥ ॥ साहन, निगहान, सवठ, स, राग
काकलंयस, हासं, ताद, यत प्रागनाम॥ ॥ ॥ सावाकव, मयव, रुवठ, यिविधि, गुठि, कृतिः
यस, वर, हिगु, स, राग, काकलंयस, हासं, ताद, यत प्रागनाम॥ ॥ ॥ कुरुवात्र, मसधनी

लउनिव नसं, वाचनकं, यतत्रागनाम॥ १८ ॥ वलसकं व, ज्यय, सधव, मसधलि लउनिव
वाचनकं, यतत्रागनाम॥ १९ ॥ ज्यय, वसागन, ॐ लुयव, याव, धत्रिग्धन कट्क, ज्जिनियस
मरु, पाठय, मुठि, यूवाकमिस नसं, मंस ३ भा नकं, यतत्रागनाम॥ २० ॥ मुठि, ॐ माति
साहन, याव, ज्यय, मरु, सधव, कस्तिन वाचनकं, यतत्रागनाम॥ २१ ॥ कवि याव, रुठरवल
ज्ज्यय, मरु, गयूवाकमिस नसं, मंस ३ भा नकं, यतत्रागनाम॥ २२ ॥ ॐ लुजव, ज्जिनियस, या
व, मरु, मरु, धत्रीमिस रुसं, मंस ३ भा नकं, यतत्रागनाम॥ २३ ॥ रुठ, याव, ज्जिनियस, धन
नवकि, एमक आवकि, मंस १५ नकं, दिनजास, ज्जिनियस, यतत्रागनाम॥ २४ ॥ मि०

क्लृप्तं यमं ३ जिह्वामं १ चिमं १ धनं धनीयं नवावनकं यमं यागनाम ॥ १३ ॥ हाकूवीकः
 छिप्तं कवः अययुः सलगयुवाकनिस रुसं ताद यत यागनाम ॥ १४ ॥ दिनसं वाजिसं व
 धयश्वरसा धविश्वनवाले द्विवातश्वरसा युवाकनिस रुय यत यागनाम ॥ १५ ॥
 वदवि वूमोति अययुः याव सलगधविनिस रुसं ताद यिनिभुनिनताद यत याग
 नाम ॥ १६ ॥ उल्लाद धविश्वन मरु अययुः याव वृद्धजव सलग वृद्ध धविनिस
 रुसं ताद मं ४ यत यागनाम ॥ १७ ॥ हाकूवीकः गुणमउस याव सिमवस अम्व
 ययुः प्रीयं गु धन सलग युवाकनिस रुसं ताद दिनजाव यत यागनाम ॥ १८ ॥

कमलसंग धविस्वान व्यात्र सावा कृत्र वेद दाउरवला स्मलाग यूवाकनिस हासंम
स २ नानकं यतत्रागनाम ॥ १८ ॥ कंसनहा व्यात्र मरु साहन वात्र धविस्व
न कमलसंग गुलाउ गुठि स्मलाग यूवाकनिस हासंमाद यतत्रागनाम ॥ २०
॥ गुठिमं १ विविठिमं २ मवरमं १ अनियसमं २ हिं गुमं १ ब्रह्ममं १ सावा कृत्रमं १
हउउमं १ धनरुध धविनिस हासंमाद अनीम गुसं हसन यतस्या लहिव ॥
२१ ॥ विविठि हउउ साहन वेद अयय व्यात्र वात्र धविस्वान पाउय मरु धन
स्मलाग काकवंरवस हासंमाद हिनजाव यतत्रागनाम ॥ २२ ॥ गुठिमं ३ विविठि

मं३ विदिसमं३ अलसलामं३ स्वादमं३ अमवयमं३ उदमं३ अजमामं३ कदवस
कवमं३ ॐ सिमिदिसं३ कलिनवावनकं अमिदियतय कयागनाम॥ २३ ॥
द्यान कनविज १ अमियममरु वाव गुल्लाद नक वदुन धविषन धनयूवाक नि
सहामिठ हिनजाव यनस्याक यागनाम॥ २४ ॥ विविठिसं३ अमिप्रममं३
मववमं३ शुधिमं३ हिं गुमं३ विदिसमं३ सावकं वमं३ हनउमं३ कलिनवावनकं
हसनस्याक यनयागनाम॥ २५ ॥ ॐ नितयत यागविकिसा॥ ० ॥ अथ विविठि
सा॥ हिं गुमं३ विविठिसं३ मववमं३ एमवावमं३ जिलिमं३ वदविमं३ ॐ मानिमं३

ॐ जि
नं वि
लुके

स ३ ह न ७ मं ४ वं न क मं न कूट मं ७ ध न वू र्त्त पू वा क नि मं न व ध वि नि स मं न व हा स मं ३
ध न ना द षू ग्री मं ७ न वान अ न्न ज व षू म्भ वा न य न स्या र्त्त क य वा ग मं षू नि सा न ॥ १ ॥
षू स ध न स रि ग्व ॥ ॥ वि वि ठि मं ७ वि य ला मू ल मं ७ सि य मं ७ व न क हा मं ७ म्भ
मं ७ य म स वा न मं ७ वा ल नि पु र ध ल पु र ध न न स वा द न मा न अ जि षू नि सा न या ध न
व न ॥ २ ॥ हिं गु मं १ धु ठि मं ३ मू क म्मा न मं २ क्रा क वं द व स हा स मं १ धा स ना द
षू ग्री मं ७ न षू नि सा न स रि ग्व ॥ ३ ॥ वि क ल ॥ ३ ॥ अ ज मा ठ वि क ठू नू मा णि जि लि
सं ध व स हा ग व कि हिं गु व डि रू र्त्त या क ध ल न वा ला व क्रा क गा स धू र न स ७ प

मकम्यत्रकञ्जिर्लुना ॥ १ ॥ अथानामहिम्नवृत्तधाय ॥ ३ ॥ हिम्नस्यध्वे. ॥ मा
नि. ॥ ला. ॥ ला. ॥ ग. ॥ र. ॥ न. ॥ क. ॥ ह. ॥ स. ॥ अ. ॥ जि. ॥ र्लु. ॥ ना. ॥ ॥ २ ॥ छु. ॥ ति. ॥ मं. ॥ ४. ॥ र. ॥ र्लु. ॥ रं. ॥ य. ॥ प. ॥ म. ॥ न. ॥
कु. ॥ म. ॥ ला. ॥ रु. ॥ य. ॥ क. ॥ दा. ॥ य. ॥ ध. ॥ रं. ॥ य. ॥ स. ॥ हा. ॥ स. ॥ ना. ॥ ह. ॥ अ. ॥ जि. ॥ र्लु. ॥ ना. ॥ ॥ ॥ ३ ॥ द. ॥ रु. ॥ ला. ॥ य. ॥ स. ॥ हा. ॥ य. ॥ मा. ॥ न. ॥
हा. ॥ ला. ॥ ला. ॥ ज. ॥ न. ॥ हा. ॥ वि. ॥ व. ॥ ना. ॥ य. ॥ न. ॥ क. ॥ म. ॥ त. ॥ ध. ॥ स. ॥ य. ॥ न. ॥ ग. ॥ र. ॥ ह. ॥ अ. ॥ जि. ॥ र्लु. ॥ ना. ॥ ॥ ॥ ४ ॥ क. ॥ र. ॥ ह. ॥
ना. ॥ हि. ॥ नि. ॥ म. ॥ ट. ॥ का. ॥ क. ॥ रं. ॥ य. ॥ स. ॥ हा. ॥ स. ॥ ना. ॥ ह. ॥ रु. ॥ अ. ॥ जि. ॥ र्लु. ॥ ना. ॥ ॥ ॥ ५ ॥ छु. ॥ ति. ॥ वि. ॥ वि. ॥ डि. ॥ स. ॥
॥ ध. ॥ ध. ॥ न. ॥ या. ॥ स. ॥ व. ॥ ना. ॥ ज. ॥ ना. ॥ हा. ॥ स. ॥ ना. ॥ ह. ॥ या. ॥ र्ध. ॥ छु. ॥ र. ॥ रु. ॥ द. ॥ य. ॥ य. ॥ न. ॥ हा. ॥ स. ॥ का. ॥ न. ॥ अ. ॥ जि. ॥ र्लु. ॥ पि. ॥ वा.
स. ॥ ना. ॥ ॥ ॥ ६ ॥ व. ॥ ट. ॥ क. ॥ य. ॥ छु. ॥ ति. ॥ वि. ॥ वि. ॥ डि. ॥ या. ॥ न. ॥ स. ॥ ध. ॥ व. ॥ क. ॥ र्लु. ॥ या. ॥ ल. ॥ रु. ॥ न. ॥ उ. ॥ स. ॥ हा. ॥ ग. ॥ र.

कर्मसंज्ञाश्च इवमस्तान् कर्मसाक्ष्यकं पुनकाव धिन हासं भाद काग. ॥ १० ॥ अजिह्व
 वात गुल्म अजिह्व नूक उस्याक. ॥ अस्तु हास हि ग्व ॥ १० ॥ कवडिदाद ग्व ॥ १० ॥
 वरमं ४ असमं ४ विविधिमं ४ असव मय व सा हा गम वे स्वगानमं ३ नरेन हा या व रे
 तथ्य हनक पूतुक दया व गन कं नय डाल लि हा ग वा स न ना प छा हा व इतु नरे स ग या
 व वं ग दि हा थ दि म् ता क का व न नि २ ग्व न कं ग्व ४ वि न थ डा व दि एध एध न स न ग न
 स्याक अस्तु वि ह क ल स अजिह्व नाग ॥ थ या ना म वृ ह त्स र वा दि ॥ ११ ॥ ॐ अजिह्व
 वि कित्ता ॥ ॥ अथ न वि कित्ता ॥ ॥ नय क म ल प द्म क मं ल मं ग्व ल मं स ध म ल

अस्वका

अल के पा वा स व वा सौर

बनिष्ठा वाकली न वाचनकं ^{ॐ नमो} ॥ १ ॥ बाला उ हामु मंत्रनकं ^{ॐ नमो} ॥ २
॥ उमत्रहामं वाचनं मूलमं साह नमं धविमनमं उल्लाठमं धतयूवाकतिस
हामं साह हिमयमं यत ^{ॐ नमो} ॥ ३ ॥ तामुपूर्कं यद्यकं गत इह दामं साह ^{ॐ नमो}
नाम ॥ ४ ॥ कथं साधून कथं वा ३ ध साताह ^{ॐ नमो} ॥ ५ ॥ लव
हलव यतकहा ^{ॐ नमो} धवितिस हामं मार्गसपह ^{ॐ नमो} ॥ ६ ॥ नत्रपतकहा ^{ॐ नमो}
न नमं साह ^{ॐ नमो} ॥ ७ ॥ हा ऊं तु नयननसंताह धसनवालाव मार्गनथ
ह क मार्जनका ^{ॐ नमो} ॥ ८ ॥ व्याचमहाति सुविमला थयूकायूयाह इह नयाव

[illegible]

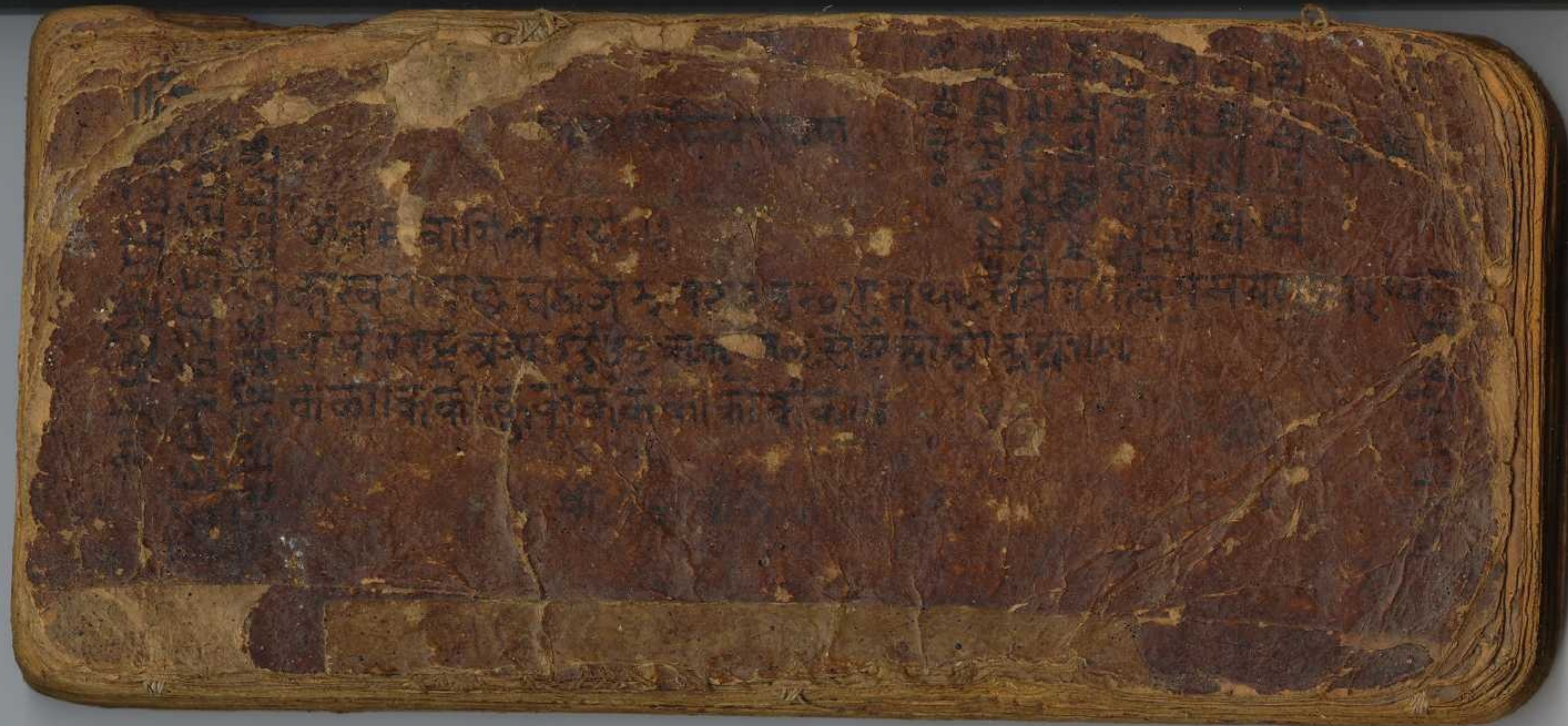
[illegible]

विकिसा ॥ • ॥ अध्याये विकिसा ॥ अला यियिउ धरु थजानिस हास्यगाह रुस या
यानाग ॥ १ ॥ अहला नरुर्क सलाग धरु कलिन वावनक वायानाग ॥ २ ॥ सुक
यंगानक माव ॥ ॥ मवव रु दगा रूर्क याद काक वनव सुहास गाह वान वाया
नास ॥ ३ ॥ उठिमन रुदगा रूर्क मन धन धरु सु कास्य नक सुम वान वाया ना
ग ॥ ४ ॥ रूर्मानि सैधव हिउ अम सु रवात सावा कन रुवद धस नव काव वरव
स नव वान वाया नाग ॥ ५ ॥ अम व नाय अम व रु वरवन न स कलि काह गाह
यिरु साया नाग ॥ ६ ॥ सावा कन अम सु रवात वव कदक रु रु उ वट क रु धन;

सूक्त्याह सं ३ मस इ इ स कायका व धलसि क धं क सू रु व हा स ता क नू म क त्या क सो
या यत म् क उ न व क वा था ना म ॥ १ ॥ ॥ वृ नि य था मा ग रि कि त्सा ॥ ० ॥ अथ भि न
मा ग रि कि त्सा ॥ मा नि व ट क हा का म स थ क मा उ त्या क ना म ॥ १ ॥ अथ मा जि न हा
क व त्या न सा क व का म स स व त्या न सा स व का म स थ क वा म उ मा उ त्या क ना म
॥ २ ॥ ॥ वृ नि मि ठि क स ला य त्र यं मा उ त्या क ना म ॥ ३ ॥ उ ह ल क म ल अ म
त्र व ट क वृ नि मि ठि थ न न म र्ध त्र यं वा न रि क ना मा उ त्या क ना म ॥ ४ ॥ रु से क
कू म का म स ॥ ५ ॥ मा उ त्या क ना म ॥ ६ ॥ हि म ना उ हा का म स थ क मा उ त्या क

नास॥ ॥ देवदेव उवाच ॥ सुत उवाच ॥ तस्मै नमः कलिं हारयितुं न मातुष्या क
यिह नृपसिंहिह नाना॥ १ ॥ याथावदि दिगहसु प्रियं शुचिं गच्छतु
दमात्राया कनाम॥ २ ॥ वृष्टिमिच्छि द्वाभसु थर मातुष्या कनाम॥ ३ ॥ वृत्ति
मित्रं पुत्रविक्रित्वा॥ ४ ॥ अथ मित्रं वरविक्रित्वा॥ ५ ॥ यिदू मित्रं वलात्पथनः
का जम्भतसं यादू स थुहकदिया व दायकं आदसे यादू नाना॥ ६ ॥ हामल
मूकं हिमलातं थुह न मातुष्यादू नाना॥ ७ ॥ मेघागिरिनि ममल स
कि नैगानयु१ यमि नयि मस इव कनय २ थकयक नयूह मातुष्या लान नाना

॥ १ ॥ वक्रवी लुठ हनयेक धनै वंदन न हस माछ स इवलिन उलार्थः
 माछ कुसं गाक कुनास ॥ २ ॥ हिमनाजमियु १ हनये २ कसह ३ इ इ कलसया
 हा १ जाति २ नदि ३ अ वकनपु २ वनपु ४ ध वकनपू ६ माछ स एन गाना ॥
 ॥ ३ ॥ उक कय १ यल काय कनपु १ हिमनाजमियु २ धनवी कनपू ६ माछ स नः
 ल गा क कुनास ॥ ४ ॥ सिखा ल इ इ कय १ क कला कय १ हिमनाजमिकय १ उ
 स कय १ मय ना वा कय १ क कय १ हा कय १ यल काय कनपु १ धन वकनपू ६ मा
 च स मल ग वामा प न हय हा स व व मु गाना ॥ ५ ॥ ॥ १० यल क हा सी ल्हा सा



धन न सं श्रुत्वा सुखं यः पत्रं नाभ ॥ ८ ॥ कनवीनसि कव न वासं यत्र नाभ ॥ ९ ॥
सिद्धिं यात्रा कवति या कुरु कुरु न याव यिन का यिन का कुरु कुरु गाया ह पत्रं ना
भ ॥ १० ॥ आदमवानवे रुकमि सिद्धि न सं या ह पत्रं नाभ ॥ ११ ॥ अथ तः प्रमत्त
स्वात्र शाधन न सं वाय पत्रं नाभ ॥ १२ ॥ अथ नाजित मय न याय ० न य गन्धक
लं खन न सं वाय सिद्धि पत्रं नाभ ॥ १३ ॥ रुक्म धन मं ३ लि ह ना द्वा सु कष ३
यात्रा कवति कुरु मत्त ३ अथ न सं वाय गन का व जं खन वाय रुक सिद्धि न नाभ
॥ १४ ॥ अथ नि यम न याय कुरु रुक्म वादा कुरु मं क वे ३ मत्त स्वात्र कवि सु नं

रुक्म न सं वाय सुखं नाभ ॥

स्वनेन सः श्वरं कुरु वायु सिद्धिर्नां कास वासः नाना किल नां नाम ॥ १८ ॥ लिमना
नतिर्मः काक वासतिर्मः सत्रवमः उहसमः हलुठमः गन्धकमः नययलुतिर्मः इव
नतुमः पुनि विंयमः १४ थनन वासः श्याक नाम ॥ १९ ॥ रुत्रिडातिर्मः उरुठुमः
उश्वनमः उश्वरुमः १५ थनन वासः १६ गात्रमूत्रमः उहवठमः यायाउवतिर्मः
आदममः १७ थनन वासः क्लेश श्याक नाम ॥ १७ ॥ ॥ ॐ या का लाउ ॐ विमिष्ठि लः
ॐ स्मराग कादयाह धनु नाय वासः वनत नाम ॥ १८ ॥ कलितककि कायक
क्याव नयेन रवात्रयन काव तिकासः ग्वस्य वे नाय श्याह वाय वनत नाम ॥

१० ॥ रुद्र मिश्रि धत्त शर्क इ इ न न स्याद यत्र न नाम ॥ १० ॥ सुनयूष उरुत्, रुद्र
 कृत्, न क व लु न उरुत् हा ध वि नि न न स्याद यत्र न नि न न नाम ॥ ११ ॥ सुन, सु
 उ गु, रुद्र उ, स्यात्, य गु धि, उ उ स्य, ग्ग य य व क हा सा ध न न स्यात् हा ध वि नि न
 न स्यात् वा य नि ना व क कृ ना स ॥ १२ ॥ रुद्र जि लि म र गु उ गु म र गु म उ दा म र ० ० नि गु
 नि न य, म र धा से, क पू ल वा न ना म ॥ १३ ॥ ० ० मा नि म र वा ल म र गु उ गु म र ४ ध वा स
 र म र ० ० नि गु नि न य, क पू ल वा न ना म ॥ १४ ॥ ० ० मा नि, ग्ग उ सा रु न, न क, क पू ल वा
 न ना म ॥ १५ ॥ ० ० नि मि त्र खे व यत्र न स्या क नि ना व क कृ, क पू ल वा न वि कि ल्पा ॥ ॥

सूय दनं पुन विदित्वा ॥ पुन पुन क काय उ स पा उ व स वान का द न द न पुन ना म ॥ १
॥ सित स्वा सु इ इ वान का द न द न पुन ना म ॥ २ ॥ द क जि सि काय उ स पा उ व स कान क
र का सा क रा क वान का द न द न पुन ना म ॥ ३ ॥ अ म व सि या ग य उ न स वान क
द द न पुन ना म ॥ ४ ॥ उ कि ठ र स र्व कि शु ला हा ॥ धा व ले ध म कु ल सा उ व र्प वा
स व न व द न पुन ना म ॥ ५ ॥ ॥ वृ ति द न पुन वि कि त्वा ॥ ॥ अ ध म् य वा ग वि कि त्वा ॥
व स वा व न त वा की व इ इ ना द क सि का द ना न हि द्वा क ना म ॥ ६ ॥ अ ति य स क सि नः
वा व न क ना न हि व व ना म ॥ ७ ॥ वा व प्री त व उ उ द र हा त व क न क र स म न र

कृत्तकं नानदिह कनाम ॥ ३ ॥ इति मन्त्रागविक्रिया ॥ अथ नानागविक्रि
 या ॥ लयूरु नसियाह वंयन नसं कानिखासयाह कसि कय ॥ १ ॥ एगाकिमिहा
 वंयन नसं कानिखासयाह कसि कय ॥ २ ॥ अमनयूरु वंयन नसं कानिखास
 याह कस नहि वव नाम ॥ ३ ॥ उरुतु वृष्टिमिति धाऊयान कसि नानवतन वा
 लनकं कस नहि वव नाम ॥ ४ ॥ एयं गुमं ४ साहानमं ४ मरुमं ४ वसां जनमं ४ व
 हनमं ४ कितिमं ४ विविधिमं ४ विदिसयुमं ४ मुठिमं ४ नानवतनमं ४ कसि न
 वालकं कगसकधन धाक नाम ॥ ५ ॥ किलि नानवयान शठकहा महानक ५

मिष्टा

वकवि, जिलि, ॐ ह्रीं मित्रि, कनक, ययाल, स्यात्, वात्सल्य, भक्तवत्कनक, क्रास
 मथर, क्रासक, कनाम ॥ १ ॥ ॐ तिनाम वागविकित्सा ॥ ॥ अथ मय वागविकित्सा ॥
 मय वागविकित्सा, स्यात्, सिद्धि, स्यात्, कं गन वात्सल्य, मित्रास्यथ, मित्रास्यथ, कनाम ॥ २ ॥
 ॐ कट, द्रव, उरु, कट, नसांजन, वलिनिदयकं, आत्र, मित्रास्यथ, कनाम ॥ ३ ॥ ॐ इव
 नसांजन, जिलि, गन वात्सल्य, स्यात्, नसांजन, मित्रास्यथ, कनाम ॥ ४ ॥ महि, कना
 स्यात्, वागविकित्सा, नसांजन, थर, मित्रास्यथ, कनाम ॥ ५ ॥ ॐ इव, थर, स्यात्, नसांजन, मित्रास्यथ, कनाम
 स ॥ ६ ॥ सम, वृत्ति, रिमलाज, स्यात्, कनाम ॥ ७ ॥ ॐ तिनाम वागविकित्सा ॥

वो. तावमस्तु. कयूत. कस्तुनवास्तु. समवृत्तिवस्तु. मित्रवस्तु. नमस्तु. बलिनिदयक. ताव. मिस्याक
समवृत्तिवस्तु. ना. ॥ १ ॥ ॥ रुद्र. सौ. धर्म. वसांजन. यादक. यस्तु. धर्मवर्ध्याद. चरु. नमस्तु. न
नमस्तु. मित्रवृत्त्या. विवर्धनयाद. मिस्याक. ना. ॥ २ ॥ ॥ सौ. धर्म. ला. उ. चरु. धर्मयाद. साधननमस्तु. धर्म
लस. का. ला. व. ता. मू. का. य. उ. स. या. उ. व. धर्म. सा. ध्या. या. द. मिस्र. धर्म. मिस्याक. सा. धर्म. ना. ॥ ३ ॥
॥ सवस्तु. सम. उ. रु. न. धर्म. न. मि. र्वा. म. वोल. क्रि. का. म. मि. कृ. गिल. व. मि. कृ. कृ. ना. ॥ १० ॥
वि. पि. ति. सा. म. नि. स. व. ला. व. मि. स. वोल. स. नि. कान. ना. ॥ ११ ॥ ॥ वसांजन. वि. क. व. नमस्तु.
वास्तु. मि. स. वि. वस्तु. ला. व. ना. ॥ १२ ॥ ॥ शु. व. धर्म. मा. की. कस्तुन. नमस्तु. वोल. मि. स. वि. पि. ति. व. ल.

वृष्टिवर्षनाभा ॥ १३ ॥ यथा कामिस्त्रसाञ्जनः समद्वयः समद्वयः नरिवः संधिः पादः गतः
मनसिन् मलयः समलग्नः कस्तुनः कस्तुनः मिस्त्रात् समवृष्टियाः हव्याः मिस्त्रात् समानः
॥ १४ ॥ मस्तुः उमिन् अरुः वाहा मन्त्रः संधिः कवचः कवचः मिस्त्रिः मिस्त्रिः नीचाधुनिः
नारिर्गन्धः समद्वयः जनामसिः अतः जसाञ्जनः समलग्नः कस्तुनः कस्तुनः अरुः समद्वयः
मिस्त्रात् समस्तः मिस्त्रात् ॥ १५ ॥ तन्नाकिमिन् नवः नवः सिन्धुः नवः नवः मिस्त्रः
सवानः अत्रायनः मिस्त्रात् ॥ १६ ॥ अंगवानः वाधकः संधिः लोकात्कृतः
नमथियर्कः सिन्धुः अस्मदिकर्तयः लोकात्कृतः अस्मदिकर्तयः लोकात्कृतः

कृमातिशुभनवर्षं जयसुश्रवताजवर्षं जयसुश्रवताजवर्षं वाय कृतपातसुघाय नृतिव
वनाम ॥ वाहू पाहू पाहू वाहू वाहू धवि नमगवा ॥ ईसा सायित मूक मूह नयगव ॥ १०
॥ **वृद्धिनिमगुसागविकित्सा ॥** ॥ **अथ कर्णमूत्रविकित्सा ॥** वाय सावूठ कृणसथर कर्णमु
वनाम ॥ १ ॥ **अथ मलसपूनस्य सावूठ कृणसथर कृसर्दिआवनाम ॥** २ ॥ **अ**
सयाया रुकजिलि सावूठ थस कृसर्दिआवनाम ॥ ३ ॥ **कट मुठि वाय दवनाल म**
नयूथ हिउ संधा सलाग धामवावसया वा न नस सावूठ थर कृसर्दिआवनाम
॥ ४ ॥ **अथ हिरुनस कलिनवासथस कर्णमुवनाम ॥** ५ ॥ **कट पावागल वक**

सकत्र. गगनाजहा. स्यंक्ष. सखाग. वंशन. नम. दा. यक. या. द. क्र. स. लि. व. न. द. व. व. न. म. ॥
 थ. ग. ग. या. ना. म. व. ना. स. ध. य. ॥ १ ॥ ग. उ. स. म. वृ. छि. क. व. ३. गु. म. म. ल. स. य. क. व. ३. वृ. छि. नि. छि.
 क. व. ३. व. क. न. य. १. सा. वृ. क. थ. स. क्र. स. किं. जा. ल. ना. म. ॥ १ ॥ ॥ स. ने. न. स. म. व. स. नि. र. य. र. व. य. ल.
 स. ता. न. या. वे. क्र. ग. स. थ. द. क्र. ग. स. ल. र. य. इ. द. ग. य. या. पि. का. य. उ. र. व. दि. क. ला. ॥ १ ॥ ॥ क. लि. व. न.
 य. द. स. स. थ. व. क्र. ग. या. न. इ. ने. घा. त. क. ल. क. दू. व. ल. स. म. क. ला. य. स. ने. वि. ला. म. म. य. द. क.
 र्क. ला. म. ना. स. ॥ २ ॥ ॥ वृ. छि. क. वृ. छि. उ. व. रि. कि. ला. ॥ १ ॥ ॥ वृ. थ. ग. व. म. छि. रि. कि. ला. ॥ १ ॥ ॥ धू. या. ॥
 का. म. इ. ल. व. वं. श. न. न. म. र्क. व. र्क. ला. वं. र्क. व. ग. व. स. या. द. न. ग. व. ग. छि. ना. म. ॥ १ ॥ ॥ लि. ग. व.

यसः चतस्रसूना वयाह गत्रया तसदहववेना ॥ १ ॥ हायूधनवाहा गत्रसुवे
मंत्रिगत्रगलुना ॥ २ ॥ हायूधनवाहा गत्रसुवेना वयसुनसनाह ग
त्रगलुना ॥ ३ ॥ हिहमं ३ गत्रगमं ३ मत्रयमं ३ विविधिमं ३ सुविमं ३ ककल
मं ३ समराग ३ वकि मसयागत्र ३ वकि नायकाह यात्रनमं ३ नक कूतसिधकूत
ना ॥ ४ ॥ हिमलाजहा यूधनकगुक्क ० हं दयाव थक्क गत्रस का रवाह गत्रगलु
ना ॥ ५ ॥ जिधिसानहा वगनवव कजनक गत्रगलुना ॥ ६ ॥ चयाका माहत्रवी
गदथयसय यद्विमिधि ज्वेनमहा कात्रसिमन मूल गत्रगलुना ॥ ७ ॥ याहनक गत्रग

छुनास ॥ १ ॥ स्वतः पुंन लुक् वि यमसखात्र दकि सिधिन नस गत्र लुक् स्याह वाय गत्र
ग छु नास ॥ २ ॥ उ रु न ल्या न क र्व १ अ क इ इ क र्व १ ला हा नि क र्व १ हा मू कू उ ३ लै ख हँ १ थ
न सा ष्ट ह क स स क स स थ ह गत्र लु सार्थ नास ॥ ३ ॥ दि ग रु त या ह न न स मी ह गत्र ग छु न
सु बा क्रिय उ वे नास ॥ ४ ॥ ॥ नि गत्र ग रु वि कि ल ॥ ॥ अथ सत्र ह वि कि ल ॥ छि क ट् रु न
उ यमसखात्र र्क्षया ह न कं गत्र म दू या द य क ॥ ५ ॥ जि लि मं २ सा वा कू त मं २ ह न क मं २ क
यू त मं १ य वि मि डि मं २ म ख त मं १ र्क्षया ह क लि न वा त गु ठि का द य कं न कं वा न न हि न
गत्र ह ह नास ॥ ६ ॥ व य त स पा ट क र्क्षया ह द्य त न वा ल सं धि क्का ह न कं गत्र स क स ना स

माउ लो. ची क न ल को ये का व उये. सि म द ये क.

क स ल र स हि ॥ ३ ॥ ॥ नि स न ह व वि कि सा ॥ ॥ अथ क म व द्वि वि कि सा ॥ व दियान रु उ रु
न कूट प्रिय युवान अमर प्रमि स ह ॥ ध स न स मा उ स या क म विाय क ॥ १ ॥ अमर दा स
यू हा सु सान वान मा उ स न स म म रु य क ॥ २ ॥ अ ऊ न रू वि या नि या धान व न स का य व
स व ला व मा द स पा स न सि म द य क ॥ ३ ॥ वि डि स य ग थ क म न सि न म म ग न न स व
का सा वू क मा उ स मि स्य स ग नि मा न य ॥ क य न या धि ना ग ॥ ४ ॥ कूट न व य ला न स जी व न
यू का सान वाल मा उ स य स रु य व वा गु ना स ॥ ५ ॥ ॥ नि क म व द्वि ॥ ॥ अथ क स म वि
कि सा ॥ नि क व न य क ल व ठ ला व पा ठ क गु क म्या न स र ग व क के ना य स न व कि न स क

हिनवाननकं कलसनास ॥ १ ॥ तिरुसा जिलि पियिळि आरु स. स. रागवळि साखनव
ळि मीस ३ धावनकं कलसनास ॥ २ ॥ कृमलरु खकन नृयकसुन वरु म. राखनव
वनकं कलसनास ॥ ३ ॥ ०० निकलुग ॥ ॥ अर्थनकयिर्लु विक्किता ॥ तिरुसा नृयः
कसुन जिलि मूकम्यान पाटक सुवळ जिनरान सुवलाय पियिळि पुठी मूक साद
न कउवसकव थनरुर्लनकं नकयिर्लु नास ॥ ४ ॥ दिगुरु मिळिस उ० गु न रवाक
आवने मूक कउक कसुनरु थनदास नाह नाधवल लीमिव ॥ ५ ॥ मूक खकन वा
न उगनरु नकवन्दन उ० रूर्लनकं नकयिर्लु नास ॥ ६ ॥ जीयवु वा न मूक उ०

२६
पति
भावा
प

सत्रहा आदस गुग्गु जित्ति ०० हिमिष्ठि इनालम् मिष्ठिम् ॥ १ ॥ अत्र तयि तुल्यं क
स्मिन् वात्र न कं त्र कयिर्ह ना ॥ ४ ॥ ०० निव कयिर्ह ॥ ॥ अर्थ या तु वा गयि कि
त्सा ॥ या तु वा गयि या दाग वात यिर्ह २ ॥ अत्र ३ सति यात ४ वात यात शेष गयि
नाय तु वा गयि ॥ ॥ या तु वा गयि लाठ वात यिर्ह वरु कयिर्ह ना ॥ ५ ॥ या हि
न वर लाठ यिर्ह वरु नया वरु वाग कामयिर्ह य ॥ ६ ॥ कामतु व यिर्ह य
के या ७ वात ला माठ ८ ॥ अत्र याठ वाग कामयिर्ह ना दत वा व वाग का क रः
॥ ९ ॥ यक यक ययानाम कुरु कामय मिवात १० यास्य ११ ॥ १२ ॥ आयु मन

५ कामं

मंस ५ वृत्तया दन. तामि यान. वसी वने जाय याव. थ वा भव रु हाव. जामि मया श
 द्रु हाव. हनि हला व ना दन क. काम ल या लु ना ॥ १ ॥ विरु सो मं ३ रु उ रु मं १ :
 आ द स मं १ र वा दा मं १ नि म मं १ म र व म मं ६ क लिन वा त न क. काम ल या लु ना ॥
 २ ॥ वि क द्. ०० वि मि छि. वि यं रु. वि वि छि. आ द स. ह व न. स्म रा ग क लिन वा त सा व
 व द द मंस ३ न क. काम ल या लु ना ॥ ३ ॥ क द् क. इ वा लु म्. वि यं रु. र व क न. आ द
 म जिलि. स्म रा ग मंस ६ म र व म मं ६ थ न वृ. यु नि सु नि. मंस ३ धा ल. र वा द् र व स
 हा स मं ६. काम ल या लु ना ॥ ४ ॥ म र ल. हा य् हा म्. र व क न. म न र. सा ह न. वि

विधि मंस ५ कलिन वात मंस ३ नक कामतया पुनाम ॥ ५ ॥ नवर मकन हा मर
व सलोग नस्य ३३ सहा मंगा ६ कामतया पुनाम ॥ ६ ॥ नैकामतया पुविदित
॥ अथ राजयज्ञाग विदित ॥ म कनला पुषुलि हिनक रूर्ध्या ६ सा ३३ सहा म
गा ६ यज्ञमगागनाम ॥ ७ ॥ हविनिता वातसला पुषुविता ६ वातस ३३ सहा म
६ यज्ञमगागनाम ॥ ८ ॥ गानिसह १ मरव २ पुति ३ विविदि ४ वंगलावन जथलि
वकिताग मूक म्याने लवह लार गानिसयावकि विविदि याथा ५ मय सा रव ७ थन
रूर्ध्या ६ नक यज्ञमगागनाम ॥ ९ ॥ अला वातक लवह लार मिडि म विविदि

धनन अस्तु २ मा रात्र ००० मिडि इव शत्रु स धनन पु १ र्क याठ कलि न वात्र क र्व
१ धनन कं कुं कासनास ॥ ४ ॥ तुळि म मत्र स या पू कूट वीज अर्क या हा ॥ ५ ॥ राज
न न व क र्क किलि सित र वात्र यात्र वात्र र क र्क किलि य ला न क व म न रा सान रा अ
या मा र्क न य म न र्क र क क रु प्रि क ठ् प क न म न य तु लि र्क वि ध न वा स न आ स
या ठ ल जा स थ क थ या क या न म स म न द ह न य ॥ ६ ॥ म या ठ ल र व स न स र वा त नि सा
ल या ठ का स्य ध नि स वा स न हिं गु त्रि क र्व १ वा क र्व न कू त क र्व १ स र्क मा त २ ध त वि
३ ध न र्क न रा स का थ दा स सु त क नि ला त स या स ग न का व थ वा स न र्क या ठ

नकं कूट कीनमगाव यटमंगवयाहिंगव ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
अथ कुमिना गविकित्सा ॥ ० ॥ विठि ह वृत्ति रुता पियि विठि रस राग वृत्ति कलि न वात्र
नकं वात्र स्वया कुमिनास ॥ १ ॥ मयत्र मिखा यला गविज रुकु ना थन न संगाठ कुमि
नास ॥ २ ॥ पियिदि जित्ति विठि सय् आयूमला थन न संगाठ थन वव कुमिनास ॥
३ ॥ यलास विज ॐ मानि न संगाठ कुमिनास ॥ ४ ॥ आय् रता वाय् ॐ मानि लं
स्वन न संगाठ कुमिनास ॥ ५ ॥ लाहिनी रुत्र उ कलि ग्व पूण वात्र नकं अत्य सुं सु
कुमि प्यत नाग सर्वथा धिनास ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

[illegible]

कुजव. धनसमलग. रू. या. क. कलिन वात्र नक. मस ३१ कुमिन यत ह्या क. को. द
व. ना. ना. म. ॥ वात्र खरु. न. सा. मस १ नक. र. सा. ॥ १२ ॥ ०. कि. मि. ना. ग. वि. कि. सा. ॥
अथ विप्रवन विधि ॥ ॥ वात्र स. इ. इ. स. अ. ज. य. वात्र. र. व. सा. वा. सा. व. म. न. म. न. ध. न. का. व.
अ. ज. य. वात्र. या. इ. न. वा. क. ल. य. न. वा. य. अ. ज. य. वात्र. म. स. ३. सा. हा. म. स. १. म. न. र. म. स. ३.
थ. न. र. व. ल. वा. त्र. स. इ. इ. स. न. स. १. व. टि. ५. गिन. क. र. उ. ठि. वि. स. १. ॥ थ. गु. ठि. ग. व. द. १. र. वा. क.
ल. र. व. न. का. र. स. न. क. क. थ. य. वि. धि. ॥ १ ॥ सि. न. र. वा. ल. इ. इ. म. स. ५. वा. त्र. स. इ. इ. म. स. १.
थ. न. मि. स. वा. र. व. न. क. दा. स. १. अ. स. र. व. न. म. स. २. थ. न. न. वा. ला. डा. क. र. व. स. या. य. ध. न. क.

गुदिविन. थगुठिका लंखन के रूयकं नूयकं कथय विप्रवनविधि॥ १ ॥ मृगः
 अम्यन दासं काकलं खस सुहासं भातकं जानलसह जय खात्र याद कादय॥ ३ ॥ ०
 न कायाव के फिन वात्र. वान मार्गस लयत्रयं यखात्र जय॥ ४ ॥ संधि. नान रवकं
 वारु वंथिन वात्र. मार्गस लयत्रयं यखात्र कादय॥ ५ ॥ आदस. वसि घाठि. इव क
 न प्रिकतु. जयवात्र. सित खात्र इइ नन स. मंस. गिनकं गुठिका विन. थगुठि. खाद
 लंखन का रूसं नूय. कथयविधि॥ ६ ॥ जयकी. अमन हन. संधि. लंखस नमं. वलि
 निदयकं. गनकावे. मार्गस लयत्रयं यखात्र. कादय॥ ७ ॥ दि गारुनमंस इलमन

ॐ मं ३ काक लंखस् हासं नाक वाहिलि दयूख ॥ ५ ॥ ०० निवित्र व न विधि ॥ ॥ अथ न

कूय स्वात्र विधि ॥ सा हा गम कूया व, लम व, ख यत्र, गं स्वात्र, नाय, गम त्र स थ क न कं हि थ य

ग न ना ग ॥ १ ॥ सा वा वा त रा स, त क, लम व ल व, क म द त रा स, अ म त यू या म, ल म ३

न वा दू त र व न न स, क लि वि हा स, क्का वा, ना त कं, हि क म द ले, मि ल त य व कं, उ ल म ॥ २

॥ ०० नि त कू य स्वात्र विधि ॥ ॥ अर्थ साम या ग वि किल ॥ य त त य म्वा र, अ व त मि न ज्ञा या

व, अ म य त कू र, क लि स ग या व ना क, साम या ग ना ग ॥ १ ॥ ल उ य उ, घू तु लि कू थ क

साल का थ य विधि ॥ २ ॥ ल ना कि मि रु, वा उ य, व दं क ० स्य, का पु स धा द रि क, क

वर्क, सात का थय ॥ ३ ॥ झाड़ू वकन यू न सभाह, सात का थय ॥ ४ ॥ अया मा न हा
माठ स र स, सात का थय ॥ ५ ॥ एव न व द या न हा, झाड़ू वकन हा, कायु स या ठ व स, न
न रू य क, सात का थय ॥ ६ ॥ हा मू या ह न, लू न व न न सभाह, सात का थय ॥ ७ ॥ ग लान
त न य न स्वा ल म न व, लू न य न स्वा ल, मू रू ड, ग लान व, न क रू क रू, य क स र व न क
म न व, ध न रू व क, न नान सात का थय ॥ ८ ॥ ०० निसा म न ग रिकि ला ॥ ॥ अर्थ
या न ग न वि कि ला ॥ ॥ हा ० जा लिया हा, म न य न क्किया हा, न ह्य, ए ह स, ज नि स ल
य न य, मा रा न नान, ज य न वि व ॥ ॥ य ठ व ह न, मि ला या ड ड स, न ह, या नि स

नाहिसु.सुयत्रयं नाना.जायतयदुन ॥ १ ॥ कलसियाह. ००.लिमिछि.कलिन
वात्रगानकं.नाना.जायतयिव ॥ २ ॥ ग्यात्रावा.लुनवननसं.का.युसुयाउवसं.भा
उसकुनकं.नाना.जायतयिव ॥ ४ ॥ अदसहा.लुनवननसं.सुसु.सुयत्रयं.नाना
जायतयिव ॥ ५ ॥ विष्णु.लुनवननसं.कलिनवात्रगानकं.नाना.जायतयिव ॥ ६ ॥
ग्यनवदियात्रह.कमालि.गुननसं.भाउस.उसववकं.नाना.जायतयिव ॥
७ ॥ काक.सुसु.अवकं.पादवसं.सुनदात्रयावाकायाव.विकुषह.पादसुन
सं.उतग्वउ.७.सागुकानसं.नाना.जायतययकविधिं ॥ ८ ॥ वसुनिधि

कहि न का न प्रवाक निव ना ह. निकमा रा का थय विधि ॥ ६ ॥ ०० नि. वा न जा न विधि

॥ **पृथग्** हनि विविक्ता ॥ ॥ हिंशु. निकट. पा०. यं. फ. सि. श्व. न. ह. न. ठ. स. ल्य. श्रु. ज.
म. या. न. श्रु. ज. मा. द. श्रु. ग. छ. न. मा. ल. स. ग. स. श. ठ. वि. प्र. क. ला. म. न. सा. ह. न. नि. लि. श. ठ. क.
हा. या. हा. य. म. स. र. वा. न. सा. नि. सा. न. स. ल्य. व. न. वि. सि. पि. थ. न. स. म. ला. ग. उ. श्रु. द. कं. वा. उ.
ह. नि. वि. ना. गं. ॥ ॥ य. मु. छि. नि. वा. ल. स. र. इ. क. ठ. १. य. ठ. क. ठ. १. थ. न. स. उ. श्रु. य. धि. गी. क. द.
या. न. ध. रि. ला. न. क. म. रं. ग. प्र. क. जि. लि. श्रु. नि. य. स. सि. म. न. स. सा. ह. न. उ. ह. न. व. दि. या. न. हा. उ.
मा. नि. श. न. क. हा. पि. य. ना. म. ल. थ. न. उ. नि. मं. स. २. श्रु. द. वा. य. या. ह. न. कं. उ. ह. नि. ना. ग. या.

धलवृ कनाम ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अथ मर्ह वाछात्रविकिसु
॥ ० ॥ वायलवृ. रुकजिलि. धनरुर्हयाठ. उवाडुनिहृगव. धसुभन. हासुभाठ. भासाम
दय ॥ १ ॥ उववववव. सुनमनव. सुनतुउउ. वनकहा. जिलि. लुगिह. काकना
हा. सुठननसु. मासिक शवकूकू मसु ३ मानक. भासामड ॥ २ ॥ उवववववव
वववववव उगिमसु १५ मत्रवववव ३ धनरुर्हयाठ. नसु. मासिक व कूकू निहृभाठ
दिन ३ धनन भासामड ॥ ३ ॥ कूठ. वववववव. मीन. पुकासा नवात्र. माउसुन
त्र. हयुवागुनासु ॥ ४ ॥ नवयाहा रुर्हयाठव. नसु. कागानकाकनिसु. हासुभा.

६. धनंति. साकधननाकम. मा. राम३॥ ७ ॥ सुरे गमहियाह. नासिहि याह. धन
नाकाह. मा. राम३॥ ८ ॥ यमसुखात्र. सुयाव. साकसुखात्र. मासिकरुत्रकास. नाक
मा. राम३॥ ९ ॥ ॐ निगार्हवा. छत्रविकित्ता॥ ॥ अर्थरुनना. गविकित्ता॥ ॥ १० ॥ का
यतुह. वयस्ययल. द. अत्यलह. माहत्रुती. त्यंछ. साधननसंयाह. गत्रनुवि
वय. इइयानत्रदक. ना॥ ११ ॥ ॥ वननसिं कव. इइननसंयाह. यानत्रदकन
स॥ १२ ॥ ॐ मिमिछि. मनुथि. हास. साइइननसं. लयनयाह. यानत्रनास॥ १३
॥ मिबला. यथत्रह. त्यंछ. माह. रुत्रुछि. वि. थननयाह. यानत्रसकिदयक॥

॥ मुनिर्मसं ८ विविदिमसं १ मन्त्रमसं ५ ॐ मानिमसं ३ स्यामसं ३ सिधिमसं ५
 साहनमसं ३ विर्यमसं ५ लवेठलावमसं ३ मुकम्यामसं ३ पाठकमसं ३
 मतय्यामसं ५ यमसुखामसं ८ कालीसं ३ गमत्रदासु १ ठावूठनेकं मुनिकानाम्
 ॥ ५ ॥ ॐ निलुननागविकित्ता ॥ ० ॥ अथ सागवानविकित्ता ॥ दवकावूकवयु २ दवयु
 कनरायु २ यवदवयु २ मुणियु २ ॐ मानियु १ वनकहाय १ वलान १ नमुठियानि
 कुठ ३ ३ ॐ सिधकनकुठ १ सावूठमर्द नयाठ सावकागनाम् ॥ १ ॥ ॐ निसाववा
 नविकित्ता ॥ ० ॥ अथ नादविकित्ता ॥ कपासयाहनद लुन करिश्न कसंकाया

५५
 का. १
 ५

वनसुखं कृमानकं कायदूयिनिनास ॥ १ ॥ खड्गसुयं पुनर्नालिसु समलागं दूर्ध्याक
नसुखं सुखिसु हासभादं कायराधानास ॥ २ ॥ काखलुहा मध्वि ग्गनहा समलाग
दूर्ध्याक सादृशं हासभादं कायरावनाम ॥ ३ ॥ जगामन दूर्ध्याक शत्रुसु हासभा
दं कायरावनास ॥ ४ ॥ ०० निनाद विकित्ता ॥ ० ॥ अथाहिवातुदभनविकित्ता ॥ काख
लुहा हासहा कदवसुकेवे धनवास सादृशं नसुखं कननलास वाधसुयादं वाकस
लात्रयनसा वाकसुशनसा पाले पालेचाननरु वलावसुयु वाकसुसुय ॥ ५ ॥ ०० निष्
हिवातुदभनविकित्ता ॥ ० ॥ अथरगनाग विकित्ता ॥ जीखलु यद्विमिष्ठि काथयः

सं. उभयत्रहा. उ. ह. न. पुनिर्म. सा. द. इ. न. न. स्या. या. ह. अ. य. स्या. पि. ह. न. का. (ग. म. ग. न. स. ॥ १ ॥
अ. क. क. ना. म. स. ॥ सा. जि. स्वा. न. म. ॥ १. २. द. व. डा. न. म. ॥ नी. म. म. ॥ म. न. च. म. ॥ पि. पि. डि. मि. ॥ गु. ठि. ॥
म. ॥ ह. न. उ. म. ॥ अ. म. न. म. ॥ व. ह. न. उ. म. ॥ ए. ल. मि. म. ॥ क. र. य. तु. ह. म. ॥ ल. व. ठ. म. ॥ मि. ठि.
म. ॥ जि. त. ह. न. म. ॥ ह. क. डि. मि. म. ॥ या. ट. क. म. ॥ वा. य. वि. नि. म. ॥ क. य. न. म. ॥ ग. न. व. नि. म. ॥
ए. ल. तु. ल. म. ॥ ग. न. य. म. ॥ ल. व. ठ. लो. व. म. ॥ गु. ठ. गु. म. ॥ न. सा. अ. न. म. ॥ क. ठ. कि. लि. मि. ॥
गु. क. म. न. म. ॥ ग्री. य. ठ. म. ॥ द. व. ला. सा. नि. म. ॥ वि. दि. ह. य. म. ॥ जि. लि. मि. म. ॥ पि. य. य. ना. म.
न. म. ॥ गु. गु. नि. क. उ. ॥ ध. न. रू. ल. ठ. स. ॥ सा. इ. र. ह. ॥ या. क. रु. य. क. दा. य. क. ध. न. लि. ध. वा. द.

कथनं. कदादाकानं. कृताकृता कृय. पाकशुन दाव. मस गिनकं गुठिदिन. थगु
दि कानकं. पाधुहियाय. मिहिनि. कृदिन नास ॥ थगुदि कया नाम. **बोली** गगुगु निध
य घालुखागलसुरिं ॥ २ ॥ यिनाकर्हिं यादलसुजायसुयसिया रु. नामक्लिधसं ०
य. वासुदक अंशुलि. काय उवगशका वाय. थरु. छा २ या दाव. थनिद्रु. नानकं थ
यठमिहिनि नास ॥ थया नाम लिक्कमूल ॥ यंशुलि. पूनानलंरा. थनका. सिगिला लयकस
पाठसं मस कृय. कृयाव कायउस थठ. मि. क्रासुस थनं. वधना गनास ॥ ३ ॥ दिग
हनमं ४ हनउमं २ गीखधुमं १ कसलीमं १ कृगनहामं १ कृठमं १ यमसुखात्रमं १ ३

विविदिमं नवसा गत्रमं नथनदुर्क्याठ. कालमूलयानिस हासभाठ. मिहिनय
 जनिउरुमरुसा ॥ ५ ॥ विरुसा. नकचुने. कसत्रहा. श्रीखरु. मूल. कूट. कठ. क.
 बहलुठि. थननवकि. म. खननवकि. र. र्क्याठ. लाहानिस हासभाठ. नकविर्क. ना.
 स ॥ कवेल्या. क्या. विविदिनगंठ. थस हासभाठ. मिहिननास ॥ साहाननिस हासभा.
 ठविर्क. नास ॥ घात्रनिस. विरुठ. मिनयक. घात्र. थठ. न. दियमरु. सित्र. घात्रक. वरु.
 ॥ १ ॥ इधनयु. मं. ५. जि. न. हा. त्रमं. ५. विष्य. ना. मूत्रमं. ५. ००. मू. निम. स. ५. म. त. य. व्य. मं. ५.
 र. न. क. मं. ५. न. क. व. रु. न. मं. ५. मु. ठि. मं. ५. ला. हा. ना. ना. १. ५. हा. रु. न. मं. ५. हा. सू. नि. य. १. य.

सानसुनगात्रा १५ घुनात घनगात्रा १५ चकनय १ धृति सावृठ याकेरुयकाव
कायसुथासंवाय मिहिनन वलाव द्वाथ साकनास ॥ ५ ॥ पाटकनात्रा १ साक
नात्रा १० ग्वलुवामं ६ मत्रवमं ५ लवठमं ५ कतुकमं ५ जितहात्रमं ५ नासुरिग्य
सुतुनात्रा ६ साइइ यात्रा १ धृति कायाववृथय १ क्रिनकवानकं १ ननहगभु
त्रनास ॥ ७ ॥ हिं रुमि सुककना रवनासनि विदिमिष्ट साहाग्न जितहात्र मत्रव
त्यसुरि धत सुम हाग ध्यथठ काटकं रुगभुत्रनास ॥ ८ ॥ निम्ब मि० लाव स्व
यत्र स्वादु वंरवसु तसं सुधवान रुगभुत्रनास ॥ ९ ॥ वयस्ययत्र रुगभुत्रनास ॥ १० ॥ नासुत्र

धनं सुमहाग. वासवसुं हगगुन नाम ॥ १० ॥ यमसुखा न. क क नाहि. हिं गुनि.
निसा धुनि. खला सुनि. ज मा यिनी. वय खय न. जिन हान. गव. धनं सुमहाग. वृ. क
या ठ धू. व का व क. धा क ह ह काय. हगगुन नाम ॥ ११ ॥ क सुनि. जिन हान. वय
खय न. का हू न न. इयी नि व क न. धन व क न वृ. क ना न न व. धान सु हा य न व. ह
गगुन नाम ॥ १२ ॥ खय ल गु डि माल का. वय खय न मं. क सु लि मं. क सु
गव मं. क सु वा त्रि य नि मं. खि वा या म मं. वृ. क ह्या न मं. हिं न ह गव न
मं. का हू खय न मं. का हू न न मं. धन वृ. क या ठ धान सु हा ह. मि सा हा वः

सामीं हा

नास ॥ १३ ॥ ऊ उ क मा न न ना ना १ क उ व स क वे ना १ कू ट १ कू स न हा १ मि थि १
 सि म न स १ वि ना लि स्रु थ १ मू स्रु नि स्रु थ १ न स्रु स्रु थ १ ग ग म न क १ हा ड न य १ स
 ना वे लि १ मा स १ ऊ उ भा द १ हू मू १ य कि मि डि १ ग क न १ य कां गी १ म द न म रु कि
 १ जि न हा न १ स्रु थ १ वे ना गि १ क कू टा सि १ रि म ला ज १ पि रु ला १ जि लि १ ह क जि लि
 व न क हा १ ल व रु ला व १ ल व ठ १ स्रुं घा न क १ गु क म्या न १ ऊ क के ना १ वा न क १ गा
 य उ रि १ ह नि क न १ मि वि कि सि १ वा य १ सु स मि या यू १ पि क रु १ ग जि ऊ रु द ना ना
 मा स व न कू ट १ ह १ क रि ना ला १० इ इ कू ट १ ध न रु ला १ ध न वा स रु य का व वा स

नक्षत्रं धकायाव गात्रा १ नक्षत्रं उडिकादय कनक ह ग पुत्रे नासः अति उह मशलाः
॥ १४ ॥ नक्षत्रं ग पुत्र विविक्ष ॥ ७ ॥ अर्थ पुत्रवर्धन विविक्ष ॥ ० ॥ हस यात्रा
कर्म ३ अमुनि विहय क गात्रं मध्वनि व कने मृ १ धन नाय दासं वासन हा कस कात्र
व कायत्र स हा कयू सः धा हने क ह वाय म क व ध व क ग न मि स ग व र्धन स रु डि स
या ला घात्र स उर्य के या ठ ला न ॥ १ ॥ हस यात्र या वान घात्र स या ठ न वे २ घात्र
स डि द य म रू ॥ २ ॥ डि क ट् डि रू ला मरु वि उ ह गु उ गु व न क हा या ना उ व ति
पिय ना मृ न व ग्ग न द व द न् ल्य रू लि यू क ला मृ न सि यि क र व तु मि वि कि सि व द

सुवाकुरुन, उपसुवाकुरुन, सुवाकुरुन, गजपियिठि, सुकम्पात्र, यन्निर्म १५ धासु, सुसुनि क
वै ३ धगुगुलिथठ, लिङ्गसुनवमागन, ककुवल, घात्रसुवाकुरुनदल, रिग्य ॥ ध
यानाम, सुकाविहति गुगुनिधाय ॥ २ ॥ सुनाति कूत १ सुवत्रसिद्धिबर्म ५, ध
नधकन बृहजिह्वा, नवर घात्रनास ॥ ४ ॥ जिलिह्वान वात्र, निच, यानाउवनि
कनंजसंथ, यस्मिमीठि, कूठ, रुत्रि, प्रिविकि, कट्क, प्रनूथि, काथयसु, सुखाउ,
रुत्र, उरुत्र, धुनि कट्क, सुवात्र, ननि न धकन, पु १ सुख कूत १, धनयास्ययाठसु
बृह, नवर घात्रसुसि, घात्रनास ॥ धयानाम नाम आदि कदि तेन धाय ॥ ५ ॥ ला

हा रुकजिलि कउवसेकव, धात्राहियाहा, धनइइस नसंया ठ, लाहाधस, गानिस, १
धात्रिस, ठुधिस, अविष्ठा ० संथइन, गात्र, पीहावव, वासत्रहला ॥ ५ ॥ ॐ नि ध
त्रयुन विविसा ॥ ॥ अथ काठ पठ न विविसा ॥ ॥ पियाने, यमुयाने, ठहा
यक ॥ अथ मार्क हा ठ सं, नि, धात्रसथठ, यासं, नलात्रस, गनकासं, ठहासं व
व ॥ ॥ वत्रसं धात्र, मखात्रकासं, ठहाव धात्रसथठ, ठहासं वत्रसं ॥ २ ॥
धात्रठत्रठवे, विष्ठा नयाहत्र, लाहानइत्रलानक, मनुष्यइत्रला, नयावतानक
धात्रठवे, ठन ॥ ३ ॥ अथ नरुति स्या नयाहा, धात्रसथठ, ठहाय ॥ ४ ॥

[illegible]

कस्य तूडा के धन नाप पाद वसुं क रवय के मसुत्रिका क कसुं क उ य के न का
न व क क न म दा न व ॥ ३ ॥ म ले वा क न स क व ज ना माहि का थ य ल ल र व न न
सं वा य न व क क ना स ॥ ४ ॥ या स या हा वा ला व पा क न व क क सि न न या य ॥
५ ॥ छ उ गु या न उ ह न नि म्ब क क किलि वि रु तो क ल क्क आ द स ध न वृ ठ न स
अ ला द स वृ रु न व व क क ना म ॥ ६ ॥ य क क म न नृ प क स न ग लि स य वि मि
ठि न स र स उ स रु ठि क क ना म ॥ ७ ॥ ह न थ न र वा दा हा क न क्का न स व
ठ उ स रु दि ना स ॥ ८ ॥ अ म्ब न स्य धा वा न स म वि रु ठि म नृ ठि न ज सि लि वा स

क ई २॥ १॥ २॥

महाग. संख न न सं. दायक वा क. हिनया पत्रपस्या ल. रुति स दत्र ववना ॥
८ ॥ लुया कवा. जवह रुत. साधक रु. कवू कावे. जान सं. रुति स क दय क ॥
१० ॥ वत्र संव. संख न न सं. दायक रुति स दय क ॥ ११ ॥ हाकवा. साहाग
कवल्या. साध सं व ला व या क. क दय क साव क ॥ १२ ॥ हाथ जालि. हा गत्र रु
मत्र. संख न न सं. दायक. अस रुति ना स ॥ १३ ॥ वव क न हा. हा म्. रुति रुत संख न न
सं. दायक. अस रुति ना स ॥ १४ ॥ वी रु क न हा. मना म्प स रु. माह रुति. विक्क
रु क न. न सं. दायक. अस रुति स. क दय क ॥ १५ ॥ जा. म्वात. निमवि. धत न

संयोरु रु विरु कृष्णारु धं वयसियक ॥ १७ ॥ त्रिकट् त्रिरुला मूल विदहप
गुठ गु वट केरु यमसुखात्र पृष्णलामूत्र ० वखान दवदारु गुठु लुतुसीस
सुजिखात्र वदियात्र क सवतु निविकि सि निम्य ह त छि गुठु प्रिय १ धर्मस ३ क
सन बाह स्याक झाक सहिग्व गुठु सि वृन विदि ॥ ११ ॥ जातिकास लवठ
लार गुठि पिपिठि लवठ जिलि गुठु क म्यात्र जित हात्र ग्वठ सा हान रु क जि
त्रि पिपि लामूत्र ०० मानि धर्म स म लुग व छि यूना हा ठा व छि गुठिका दय क
नक कास लाम नास ॥ १८ ॥ वान या इ उ ल वा ७ गुठि वा ७ निम्य या व वा ४ मास वृव

[illegible]